



青空文庫 (1) 「吾輩は猫である」 (3) 夏目漱石

月 日 名前

見ながら練習

なぞって練習

| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|--|
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |
| | | | | | | | | | | | | | | | | | | | |

| | | | | | | | | | |
|--|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | う | と | 見 | 落 | で | た | た | て | た |
| | 。 | い | た | ち | あ | 感 | 時 | 又 | だ |
| | | う | の | つ | る | じ | 何 | と | 彼 |
| | | も | が | い | 。 | が | だ | と | の |
| | | の | い | て | 掌 | あ | か | 持 | 掌 |
| | | の | わ | 書 | の | っ | ワ | ち | に |
| | | 見 | ゆ | 生 | 上 | た | ワ | 上 | 載 |
| | | で | る | の | で | ば | ワ | げ | せ |
| | | あ | 人 | 顔 | 少 | か | ワ | ら | ら |
| | | る | 間 | を | し | り | し | れ | れ |